www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 309 || लखनऊ
गुरूवार
12 फ़रवरी 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 06:45
सूर्यास्त: 05:56
अधिकतम: 27°00
न्यूनतम: 12°00

पेज 03

विशेष समाचार | प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने ... >> पेज 02 | बचपन की सहेलियां ट्रेन से कटीं ... >>पेज 04 | जेल में बंद राजपाल यादव के सपोर्ट में ...

वित्त मंत्री ने पेश किया 9.12 करोड़ रुनये का बजट ■ वर्किंग महिलाओं के लिए हॉस्टल, छात्राओं को स्कूटी और युवाओं को रोजगार

पहली बार सीएम का दसवां बजट : योगी

बढ़ोत्तरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने 2027 चुनाव से पहले अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस बार बजट में पिछले साल से 12% की बढ़ोत्तरी की गई है। साथ ही 43 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं शुरू करने का ऐलान हुआ है। महिलाओं के बड़े वर्ग को साधने के लिए अब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह 1 लाख 1 हजार रुपए दिए जाएंगे। युवा वर्ग लुभाने के लिए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 10 लाख रोजगार देने का वादा किया है। प्रदेश में 60 मेडिकल कॉलेज हैं, 14 नए और खोले जाएंगे। 3 यूनिवर्सिटीज को भी शुरू किया जाएगा। 7 शहरों को स्मार्ट बनाएगी। मेधावी छात्राओं को 400 करोड़ रुपए से स्कूटी बांटी जाएगी। हालांकि पिछले साल भी बजट में इसका प्रावधान किया गया था, लेकिन किसी को नहीं दी गई। मध्यम वर्ग को घर दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद न्यू रेजीडेंशियल स्कीम लॉन्च करेगी। 34 हजार करोड़ रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा। यह गोरखपुर से लेकर नेपाल बॉर्डर होते हुए सहारनपुर तक जाएगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अब 2 की बजाय 5 रनवे बनेंगे। योगी सरकार ने बजट का 25% इंफ्रास्ट्रक्चर को दिया है। कृषि को 12%, उच्च से लेकर बेसिक एजुकेशन को 12.50 से 15% तक, जबकि हेल्थ को 6-8% राशि दी गई है। सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का लोन बिना ब्याज, बिना गारंटी मिलेगा। सरकार ने AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए 225 करोड़ रुपए दिए हैं। योगी सरकार ने धार्मिक पर्यटन का इस बार भी खास ध्यान रखा है। अयोध्या और नैमिषारण्य के विकास के लिए 100-100 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। सरकार प्रदेश के बड़े मंदिरों का जीर्णोद्धार भी करेगी। इसके अलावा, मेरठ, मथुरा-वृंदावन और कानपुर विकास प्राधिकरण के विकास के लिए 800 करोड़ रुपए दिए है। छात्रों को फ्री टैबलेट और स्मार्ट फोन के लिए 2374 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। चुनाव में छुट्टा गोवंश बड़ा मुद्दा बनता है, इसलिए इनके रख-रखाव के लिए 2000 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया है। वित्त मंत्री ने 9.12 लाख करोड़ का बजट पेश किया है। यह योगी सरकार 10वां बजट है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में यूपी सरकार ने 8.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया था। बड़े-बड़े गोदाम बनें, इसके लिए सब्सिडी देंगे। पशुओं के स्वास्थ्य के लिए बीमा होगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- यह जनता को भ्रमित करने वाला बजट

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बजट पर कहा यह जनता को भ्रमित करने वाला बजट है। योगी जी ने इससे पहले जो बजट प्रस्तुत किया, 9-9 महीने से किसी विभाग में पैसे ही नहीं गए हैं। मैं यूपी सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल इस पर श्वेत पत्र जारी करें और बताएं किस समय आपने कितने पैसे अलॉट किए थे। कितने खर्च हुए और किस विभाग के कितने पैसे बचे हैं।

सीएम बोले- बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया

सीएम बोले- बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया। एमएसएमई, कौशल विकाश के साथ रोजगार जनरेटर के रूप में यूपी का बढ़ना तय है। हम जन विश्वास सिद्धांत के रूप में आगे बढ़ रहे। निवेशकों को सिंगल विंडो सुविधा दी जा रही है। हमने इज आफ डूइंग में अच्छा किया है। इसके लिए रूल आप लॉ रियल ग्रोथ की गांरटी है। आज यूपी सुरक्षा की गारंटी दे रहा है। अन्नदाता किसान देश की अर्थव्यवस्था ओर उसके विकास की धुरी हैं। अन्नदाता केवल लाभार्थी नहीं विकास का आधार हैं। अन्नदाता से उन्हें उद्यमी बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बजट में इसका प्रावधान है। हम ट्यूबवेलों को फ्री बिजली दे रहे हैं। किसान को कुसुम योजना का भी लाभ दिलाएंगे। गन्ना के साथ दलहनी और तिलहनी यानी सहफसली खेती की ओर आगे बढ़ेंगे। इससे और लाभ होगा। इसके लिए हमने बजट में प्रावधान किया है। नोएडा एयरपोर्ट को विकसित करने की योजना बनाई है। एआई के प्रयोग की घोषणा की गई है। अन्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

रूल ऑफ लॉ रियल ग्रोथ की गारंटी: सीएम

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बजट 2026 पर कहा कि रूल ऑफ लॉ रियल ग्रोथ की गारंटी है। उन्होंने कहा कि यूपी में निवेशकों के लिए सुरक्षित माहौल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एआई सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की घोषणा की जाएगी। यूपी विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 90 हजार मंगल दलों को खेल सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए युवाओं को गारंटी-रहित एवं ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

"सीएम योगी ने बजट को लेकर कहा, पिछले 9 वर्ष के दौरान अपना परसेप्शन बदलने में सफलता प्राप्त की है। 9 साल में तीन गुना से अधिक बढ़ा है। बजट की थीम कहूं तो यह सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर हाथ को काम है। आज यूपी तकनीक से समृद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा- 43,565 करोड़ रुपए की धनराशि नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित है। 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च नए निर्माण पर खर्च कर रहे हैं। यहीं से रोजगार और विकास की गति मिलती है। ये हमारी सरकार का 10वां बजट है। यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री को 10वीं बार बजट पेश करने का मौका मिला हो। इन 9 सालों में एक भी अतिरिक्त टैक्स नहीं लगाया गया है। यूपी में जो कर चोरी की शिकायतें थीं।"

अखिलेश यादव बोले- बजट निराशाजनक रहा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह बजट निराशाजनक रहा। हमने पुलिस के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए, उन्हें इन्होंने बर्बाद कर दिया। हेल्थ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए हैं, लेकिन हेल्थ सेक्टर कहां पहुंच गया है, यह सबको पता है। मेडिकल कॉलेज से लेकर सीएचसी, पीएचसी तक की हालत खराब है। इनकी मंशा है कि सरकारी स्वास्थ्य विभाग ठप पड़ जाए, ताकि लोग प्राइवेट में इलाज करवाने जाएं। कई जिलों में गलत दवाएं दी गईं, बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। फूड एडल्टरेशन में हम नंबर वन हैं। अखिलेश यादव ने कहा, सपा का मानना है कि जो भी हॉस्पिटल पहुंचे, उसका इलाज फ्री में हो। बीजेपी तो पिछले 10 सालों से कैंसर इंस्टीट्यूट तक नहीं चला पाई है। इन्हें हटाने के लिए किसानों को एकजुट होना पड़ेगा, क्योंकि किसानों को भी इस बजट में कुछ नहीं मिला है।

यूपी बजट के 10 बड़े ऐलान

34 हजार करोड रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा। ये गोरखपुर से सहारनपुर तक जाएगा।

10 लाख युवाओं को रोजगार देंगे कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर।

51 हजार की जगह **1** लाख, एक हजार गरीब लड़कियों को शादी के लिए।

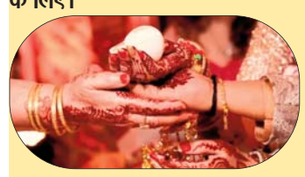

2000 करोड़ रुपए दिए जाएंगे पशुपालकों को छुट्टा गोवंश के रख-रखाव के लिए।

800 करोड़ रुपए से विकास होगा मेरठ, मथुरा-वृंदावन और कानपुर का।

केंद्र की तर्ज पर यूपी सरकार 7 नई स्मार्ट सिटी बनाएगी।

400 करोड़ रुपए के बजट से स्कूटी फ्री दी जाएगी ग्रेजुएशन की मेधावी छात्राओं को।

14 नए मेडिकल कॉलेज पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे।

18 जिलों में स्पोर्ट्स कॉलेज भी बनेंगे।

2374 करोड़ रुपए दिए जाएंगे छात्रों को फ्री टैबलेट और स्मार्टफोन के लिए।

शहरों में काम करने वाले मजदूरों के लिए लेबर अड्डे बनेंगे। ये आवासीय होंगे।

फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस ने पेंगुइन इंडिया को नोटिस भेजा

नई दिल्ली। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के लीक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पेंगुइन इंडिया को नोटिस भेजा है। पुलिस ने नोटिस के जरिए कंपनी से कई सवाल पूछे हैं और जवाब मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने दर्ज FIR में आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

तीन लोगों के मर्डर मामले में तांत्रिक हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में धनवर्षा (अचानक धन लाभ) का लालच देकर तीन लोगों की जहर देकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने तीन लोगों को जहर मिले लड्डू खिलाए और नकदी लेकर फरार हो गया था। यह इस मामले में पहली गिरफ्तारी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कमरुद्दीन उर्फ बाबा के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला है और लोनी और फिरोजाबाद में तंत्र-मंत्र का सेंटर चलाता था। दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओवर के पास 8 फरवरी को एक बंद कार के अंदर तीन लोगों के शव मिले थे।

मोहाली में 16 स्कूलों को उड़ाने की धमकी

मोहाली। मोहाली के स्कूल-कॉलेजों को बुधवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। सुबह करीब साढ़े 7 बजे भेजी मेल में कहा गया कि इनमें दोपहर 1.11 बजे बम ब्लास्ट होगा। इस मेल में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी मानव बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा 13 फरवरी को दोपहर 2.11 बजे नई दिल्ली स्थित संसद में भी बम धमाके की धमकी दी गई है।

जन गण मन से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम

सभी 6 पैरा गाना जरूरी, स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने

या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है।

टीएमसी को बंगाल की चिंता तो स्टेट जीएसटी हटाएं, इनके लोग कट ले रहे

पेट्रोल बंगाल में दिल्ली से ₹10 ज्यादा महंगा : सीतारमण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में बजट को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के GST को लेकर आरोपों पर सीतारमण ने कहा, अभिषेक बनर्जी की स्पीच पर मुझे दुख हुआ। उन्होंने जनकारी तोड़ मरोड़कर पेश की। GST पर उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर मरने तक लोग जीएसटी दे रहे हैं। कहां से ला रहे हैं ये बातें। दूध के ऊपर कब जीएसटी लगा, पढ़ाई पर कब लगा। इस पर पीछे बैठे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

ने कहा कि वहां कट मनी लगती है, इसे फिर सीतारमण ने दोहराया। सीतारमण ने कहा- आप बंगाल में स्टेट GST हटा सकते हैं, पर ऐसा क्यों नहीं कर रहे। पैसा भी चाहते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल गांधी बोले- अडाणी पर केस मोदी पर दबाव बनाने के लिए

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा के दौरान एपस्टीन फाइल्स और अडाणी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अडाणी पर चल रहा केस, दरअसल मोदी पर दबाव बनाने का तरीका है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल को टोकते हुए कहा- आपने जो भी कहा है साबित करिए। इस पर कांग्रेस नेता ने जवाब दिया- अभी देता हूं।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को मेरा जवाब सुनने की क्षमता रखनी चाहिए। ये कहते हैं कि मोदी ने सरेंडर कर दिया। मैं बताती हूं कि भारत को किसने बेचा। इसे कांग्रेस ने बेचा। बाली में जाकर सौदा करके आए थे। ट्रेड फेलिसिटेशन पर साइन करके आ गए थे।

राहुल गांधी के भाषण की 4 खास बातें

- *आपने (केंद्र सरकार) भारत को बेच दिया है। आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे. हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे।*
- *दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है। यह युद्ध का दौर है। गाजा, यूक्रेन को देख लीजिए। ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। भारत की सभी आईटी कंपनियां संघर्ष कर रही हैं।*
- *अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं जानता हूं कि उनको एपस्टीन से किसने मिलवाया था। हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने मिलवाया था।*
- *अगर हम अमेरिका से डील करते तो ट्रम्प से कहते कि आप भारतीयों के डेटा चाहते हैं तो बराबरी पर बात होगी। हम आपके नौकर नहीं हैं। अमेरिका तय नहीं करेगा कि हमें क्या करना है।*

घटना : उद्घाटन के दिन हादसा, क्रेन से लटकाकर लोगों को निकाला गया

वृंदावन के होटल में भीषण आग, 40 लोग अंदर फंसे

- **आग की तेज लपटों ने होटल को चारों ओर से घेर लिया।**
- **फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।**

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में नए बने सिद्धि विनायक होटल में बुधवार को भीषण आग लग गई। इससे होटल के अंदर घना धुआं भर गया। इसमें 3 लोग बुरी तरह झुलस गए, जबकि 40 लोग होटल के अंदर फंस गए। आज ही होटल का उद्घाटन हुआ था। इसके कुछ ही घंटे बाद आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

वृंदावन में उद्घाटन के दिन ही होटल में आग लग गई, इसके बाद क्रेन की मदद से अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

और आग बुझाने में जुट गईं। अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को खाली करा दिया। पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही है। 3 मंजिला सिद्धि विनायक होटल वृंदावन के पॉश इलाके रुक्मणी विहार में बना है। राया के रहने वाले सुभाष अग्रवाल करीब 6 महीने से यह होटल बनवा रहे थे। इसको बनाने में उन्होंने करीब 6 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस होटल में 24 कमरे हैं। फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया- सिद्धि विनायक होटल का आज उद्घाटन हो रहा था। इसी दौरान आग लगने की सूचना मिली।

"होटल मालिक सुभाष अग्रवाल के भतीजे सोनू ने बताया- आज ही चाचा ने इस नए होटल का उद्घाटन किया था। हम पूरे परिवार के साथ यहां आए थे। अंदर करीब 40 लोग फंसे गए। ऊपर शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया।"

स्पोर्ट्स टीचर बोले- 1.5 घंटे में आग पर काबू पाया गया

स्पोर्ट्स टीचर चौधरी अजीत सिंह ने बताया- जैसे ही हमें होटल में आग लगने की जानकारी मिली, हम तुरंत मौके पर पहुंच गए। हमारे साथ स्थानीय लोग भी आग बुझाने में जुट गए। धुएं का घना गुबार होने की वजह से कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। हालांकि, 1.5 घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा नहीं कर सकते : सरकार

सुप्रीम कोर्ट में कहा- उनकी जेल में 24 बार जांच हुई, वे पूरी तरह फिट

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वांगचुक को फिलहाल रिहा नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने सरकार से वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा करने के बारे में पूछा था। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वांगचुक की जेल नियमावली के तहत अब तक करीब 24 बार मेडिकल जांच हो चुकी है। उन्होंने

कहा कि वांगचुक पूरी तरह फिट हैं। उन्हें केवल डाइजेशन (पाचन) की समस्या और संक्रमण हुआ था, जिसका इलाज किया गया है। मेहता ने कहा कि इस तरह की समस्या को अपवाद मानकर उन्हें रिहा किया गया तो आगे अन्य लोग भी इस तरह की मांग करेंग। उन्होंने कहा कि जिन आधारों पर वांगचुक को हिरासत में लिया गया था, वे अभी भी कायम हैं। इसलिए स्वास्थ्य कारणों से रिहाई संभव नहीं है और ऐसा करना सही भी नहीं होगा। 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 150 से अधिक लोग घायल हुए थे। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने बताया था कि सोनम वांगचुक बिल्कुल ठीक हालत में हैं। हिरासत में रहते हुए उन्हें AIIMS, जोधपुर में अच्छा इलाज मिल रहा है। वांगचुक के वकील ने कहा कि उनकी हिरासत पर फिर से विचार करने का यह सही समय है क्योंकि वह अभी भी अस्वस्थ हैं।

सम्पादकीय

एआई के खतरों से सावधान रहें

पिछले एक दशक के दौरान दुनिया जितनी तेजी से बदली है, उसे देखते हुए अगले दस-बीस वर्षों के संभावित परिवर्तनों की थाह लेना आवश्यक हो गया है। मानव इतिहास के अधिकांश दौर में अभाव जैसे पहलू ने ही सभ्यताओं का तानाबाना रचा है। फिर चाहे यह खानपान का अभाव हो, जमीन, श्रम, पूंजी या कालांतर में ज्ञान का। हमारे आर्थिक सिद्धांतों का उद्भव एवं राजनीतिक संस्थानों का विकास भी अभाव प्रबंधन पर केंद्रित रहा। मशीनी कौशल यानी एआइ में इस पारंपरिक परिदृश्य को पलटने की क्षमता है। यदि बीसवीं सदी अभावों से पार पाने से जुड़ी थी तो आने वाला दशक अधिशेष के साथ संतुलन की चुनौती के नाम हो सकता है। नए परिदृश्य में तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उस लिहाज से हमारी संस्थाएं पिछड़ती जा रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उन नीतिगत उपायों पर विचार किया जाए जो एआइ से उत्पन्न उथल-पुथल से निपटने में कारगर साबित हो सकें। पारंपरिक अर्थशास्त्र में उत्पादन के चार प्रमुख कारक-श्रम, पूंजी, भूमि और तकनीक माने गए हैं। तकनीक ने हमेशा श्रम को सहयोग प्रदान किया है। प्रत्येक तकनीकी संक्रमण उत्पादकता एवं पारिश्रमिक बढ़ाने के साथ ही मांग के विस्तार और नई नौकरियों का माध्यम बना है। इससे कुछ असुविधा होती भी थी तो बस तात्कालिक ही न कि स्थायी, मगर एआइ से यह रुझान पलट सकता है। पहली बार तकनीक सीधे तौर पर श्रम को प्रतिस्थापित करती दिख रही है। न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक, पेशेवर और रचनात्मक कामकाज के मामले में भी एआइ प्रभुत्व दिखा रही है।

एआइ के साथ उत्पादकता तो बढ़ रही है, पर रोजगार सृजन उस हिसाब से नहीं हो रहा है। इससे साझा समृद्धि की राह प्रशस्त होने से रही। यानी विषमता बढ़ेगी। प्रकृति और स्वरूप में भी एआइ पिछली तकनीकों की तुलना में अलग है। इसका कोई प्रतिरूप एक बार आकार लेने पर यह सीमांत लागत को शून्य तक करने में सक्षम है। यह स्वाभाविक रूप से एकाधिकार की स्थिति निर्मित करता है। कुछ देशों की चुनिंदा कंपनियों द्वारा विशेष प्रतिरूपों में महारत हासिल करने से यह झलकता भी है।

तमाम विश्लेषकों को आशंका सता रही है कि एआइ बड़े स्तर पर हलचल मचा सकती है। यह मानव समाज के संतुलन को भी प्रभावित करने में सक्षम है। आज उत्पादकता और क्षमताएं निरंतर बढ़ रही हैं। वस्तुएं सस्ती हो रही हैं। सेवाओं का स्तर सुधरा है। भौतिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एआइ को सफलतापूर्वक अपनाने वाले देश तेज आर्थिक वृद्धि कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में जबरदस्त सुधार हुआ है। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और बीमारियों पर बोझ घट रहा है। जीवन के विस्तार और काम का दायरा सिकुड़ने पर जननांकीय लाभांश अपने अर्थ खो देता है।

इस परिदृश्य में विदेश से भेजी जाने वाली धनराशि पर निर्भर राष्ट्र-समाज समस्याओं का सामना करते हैं। तब गरिमा और आजीविका के आधार के रूप में रोजगार का विचार संकट का शिकार होने लगता है। संसाधनों का संकेंद्रण भी एआइ के मोर्चे पर पैदा होने वाली एक और समस्या है। ऐसे में संसाधनों के पुनर्वितरण के लिए कोई कारगर नीतिगत उपाय खोजना ही होगा। इसके अभाव में व्यापक आर्थिक दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

एआइ के चलते सीखने-समझने की क्षमताओं पर भी संकट मंडराता दिख रहा है। जब मशीन ही फैसले लेने में भूमिका निभाने लगेगी तो लोगों में सीखने के प्रति झुकाव घटने का अंदेशा बढ़ता है। इतिहासकार डेविड रोकलिन ने यह रेखांकित भी किया था कि आटो-पायलट मोड पर अत्यधिक निर्भरता संकट के समय पायलटों के हाथ-पांव फुला देती है। बड़ा खतरा यह नहीं कि मशीन किसी इंसान की भांति काम करे, बल्कि यह खतरा कहीं विकराल होगा कि इंसान ही मशीन की तरह व्यवहार करने लगे।

एआइ की वजह से फर्जी सूचनाओं और तमाम संदिग्ध सामग्री का सैलाब भी संकट बढ़ा रहा है। इससे भरोसे की भावना पर आघात पहुंचा है। सत्य और मिथ्या को लेकर ऐसा जाल बुना जा रहा है कि लोग भ्रमित हो रहे हैं। एआइ पर पकड़ रखने वाले और ताकतवर बनने की राह पर हैं। इसके दम पर नव-धनकुबेरों का उभार हो रहा है।

भू-राजनीतिक संदर्भ में भी एआइ विषमता बढ़ा रही है, क्योंकि आधुनिक तकनीक से वंचित देश स्वतः पिछड़ते जाएंगे। किसी देश की संप्रभुता पर किसी अन्य देश से संचालित हो रहे एलगोरिदम से ग्रहण लग सकता है। इस सबके बावजूद अगर सही नीतिगत उपाय किए जाएं तो एआइ बहुत सकारात्मक परिवर्तन भी कर सकती है। इसके लिए एआइ को तकनीकी उपकरण से अधिक सभ्यतागत शक्ति के रूप में देखना होगा। एआइ का उपयोग मानव की जगह लेने के बजाय उसकी क्षमताओं को बढ़ाने पर केंद्रित होना चाहिए। एआइ उन तमाम समस्याओं का समाधान करने में सक्षम है, जिसके लिए असाधारण मानवीय प्रयासों की आवश्यकता पड़ती है। जैसे कि बाहरी-अंतरिक्ष में कोई नया मोर्चा खोलना, गहरे समुद्र या पृथ्वी की जटिल परतों के रहस्यों को सुलझाना। इससे कई ग्रहों पर मानवीय जीवन को संभव बनाया जा सकता है।

प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता

> *उच्च शिक्षा हेतु पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अभी लगभग आधी है। क्या ये आंकड़े अथवा स्थितियां चिंताजनक नहीं हैं? हाल ही के आंकड़े यह भी बताते हैं कि सरकारी स्कूलों में पढ़ रही ज्यादातर बेटियां प्रदर्शन में अव्वल आ रही हैं। लेकिन क्या उनके लिए विद्यालयों में समुचित व्यवस्था और सुरक्षा आज भी चिंता का विषय नहीं है? क्या यह सत्य नहीं है।*

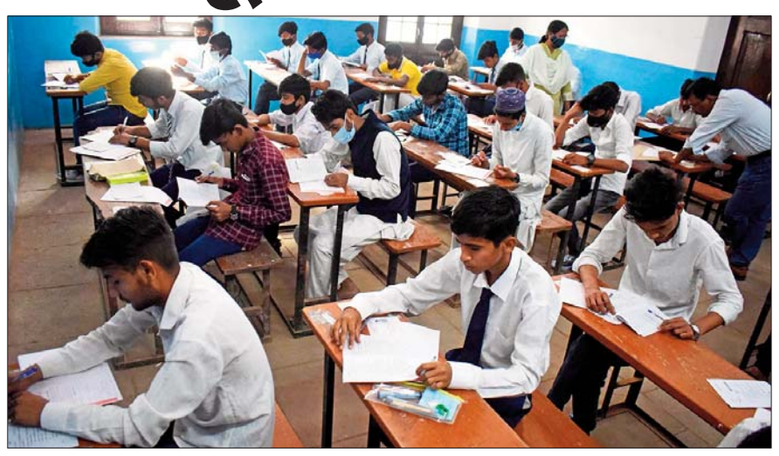

प्राथमिक शिक्षा एक अच्छे नागरिक के रूप में व्यक्ति की और समूची शिक्षा व्यवस्था की नींव है। विगत कई वर्षों से शिक्षा मंत्रालय द्वारा उच्च और उच्चतर शिक्षण संस्थानों के विस्तार और उन्नयन हेतु विभिन्न योजनाएं लागू की गई हैं। क्या ऐसे में प्राथमिक शिक्षा तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता नहीं है? प्राथमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में सरकारी के स्थान पर निजी संस्थानों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। सरकारी संस्थानों की बदहाली के कारण मध्यम और निम्न वर्ग आर्थिक तंगी होते हुए भी भारी फीस देकर निजी संस्थानों में जाने को मजबूर है। वर्ष 1933 में प्रकाशित प्रेमचंद के कर्मभूमि उपन्यास में लिखा है- हमारे स्कूलों और कालेजों में जिस तत्परता से फीस वसूल की जाती है, मालगुजारी भी उतनी सख्ती से नहीं वसूल की जाती... वहां स्थाई रूप से मार्शल ला का व्यवहार होता है। क्या आज भी फीस के नाम पर ऐसे समाचार प्रतिदिन नहीं मिल रहे हैं? विगत दिनों समाचार पत्र में छपा है कि देश के 5,149 सरकारी स्कूल खाली पड़े हैं। आंकड़े यह बताते हैं कि देश में 10.13 लाख सरकारी स्कूलों में से 5,149 स्कूलों में कोई छात्र नहीं है। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में शून्य नामांकन वाले इन स्कूलों में से 70 प्रतिशत से अधिक तेलंगाना और बंगाल में स्थित हैं। वर्ष 2024-25 के आंकड़े बताते हैं कि 65,054 स्कूल ऐसे हैं जहां 10 से कम या शून्य नामांकन रहा। आंकड़े यह भी बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के 5000 से अधिक सरकारी स्कूलों में केवल एक शिक्षक है जबकि 249 स्कूल ऐसे हैं जिनमें एक भी शिक्षक नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में वर्षों से हजारों शिक्षक अतिथि रूप में कार्यरत हैं। कई प्राथमिक स्कूलों में नामांकन सौ के नीचे है। देश के कई प्रदेश ऐसे भी हैं जहां पिछले कई वर्षों से शिक्षकों की कोई स्थाई नियुक्ति नहीं हुई है। बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार व मध्य प्रदेश आदि कई प्रदेश ऐसे भी हैं जहां जब-जब नियुक्ति प्रक्रिया अथवा नियुक्तियां होती हैं तो वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। उत्तराखंड के 1,728 सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। कहीं भवन नहीं तो कहीं स्कूल तक पहुंचने के रास्ते ठीक नहीं। कहीं शिक्षक नहीं तो कहीं बैठने की व्यवस्था नहीं। प्रदेश के लगभग 1,400 प्राथमिक स्कूलों में शौचालय ही नहीं हैं। देश में लगभग 1300 केंद्रीय विद्यालय हैं जिनमें से 51 केंद्रीय विद्यालय ऐसे हैं जो वर्षों से अस्थाई भवनों अथवा तंबुओं में चल रहे हैं। कुछ महीने पहले ही राजस्थान में सरकारी स्कूल के जर्जर भवन की छत गिरने से विद्यार्थी की मौत हुई। तत्पश्चात राजस्थान, बिहार, पंजाब व हरियाणा आदि के सरकारी स्कूलों की बदहाली के समाचार निरंतरता में छपे थे। ध्यातव्य है कि वर्ष 2025-26 में शिक्षा पर आवंटन 1,28, 650 करोड़ रुपए हुआ है जो विगत एक दशक में लगभग दोगुना है। उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या भी बढ़ी है लेकिन उच्च शिक्षा में सकल नामांकन दर अभी भी लगभग 28.4 प्रतिशत ही है। आज जब देश विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है तो क्या उपर्युक्त आंकड़े चिंताजनक नहीं हैं? सत्य तो यह भी है कि स्वतंत्रता के बाद शिक्षा क्षेत्र में जिन व्यापक बदलावों और योजनाओं की आवश्यकता थी, वे नहीं हुए। वर्ष 1980-90 के दशक में शिक्षा क्षेत्र भी भूमंडलीकरण की चपेट में आ गया। सुनियोजित ढंग से इंटरनेशनल, कान्वेंट और पब्लिक स्कूल के नाम पर प्राइवेट स्कूलों की बाढ़ सी आ गई और सरकारी स्कूल निरंतर बदहाली के शिकार होते चले गए। शासन-प्रशासन मूक दर्शक बना रहा। जनगणना, मतदान,टीकाकरण, खनन माफियाओं की जानकारी, नशा तस्करों की जानकारी, मिड-डे मील पकाना- वितरण करना, पुस्तकें लाना- बांटना, वर्दी लाना- बांटना,छात्रवृत्ति वितरण, आसपास की सफाई, मतदाता सूची का पुनरीक्षण आदि ऐसे काम हैं जिनमें समय-समय पर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को लगा दिया जाता है। क्या ऐसे सभी कार्यों के चलते शिक्षण-अधिगम प्रभावित नहीं होता है? ऐसे स्कूल जहां शिक्षक नहीं हैं अथवा मूलभूत सुविधाएं ही नहीं हैं, ऐसे स्कूलों में कौन अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ने के लिए भेजेगा? जिन प्रदेशों में सरकारी स्कूल खाली पड़े हैं, वहां कितने प्राइवेट स्कूल खुल गए और खूब फल फूल रहे हैं, क्या इस बात की जांच नहीं होनी चाहिए? राज्य सरकारों पर स्कूली शिक्षा का विशेष दायित्व है। क्या सरकारी स्कूलों की बदहाली पर राज्यों से प्रश्न नहीं होने चाहिए? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मातृभाषा में शिक्षा, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, ड्रॉपआउट बच्चों की संख्या कम करना, शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच, डिजिटल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल आधारित शिक्षा आदि के प्रविधान करती है। लेकिन देश के कई प्रदेशों में अभी इसे पूर्णतः लागू करने हेतु मूलभूत तैयारी भी नहीं हो पाई है। देश में शिक्षा और शिक्षण संस्थानों की तस्वीर बदलने और सुशिक्षित समाज हेतु केंद्र सरकार की ओर से विगत कुछ वर्षों से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम श्री स्कूल, समग्र शिक्षा, प्रेरणा, उल्लास, निपुण भारत, विद्या प्रवेश, विद्यांजलि, दीक्षा, स्वयं प्लस, निष्ठा व विद्यालक्ष्मी योजना आदि ऐसे प्रयास हैं जिनसे कुछ बदलाव तो हुए हैं लेकिन ये बदलाव बहुत धीमें हैं। आज वर्ष 2025 में भी पुरुष साक्षरता दर लगभग 85 प्रतिशत है तो वहीं महिला साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत ही है। कि आज भी लगभग प्रतिदिन स्कूल में अथवा स्कूल आते जाते कई बेटियां छेड़छाड़ एवं शोषण से पीड़ित होती हैं? सत्य तो यह भी है कि स्कूलों में शौचालय और सुरक्षा न होने के कारण कई लड़कियां पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। ध्यान रहे ये बेटियां भी विकास में बराबर की भागीदार हो सकती हैं, बशर्ते उन्हें पर्याप्त सुरक्षा की गारंटी और पर्याप्त अवसर मिलें। मिड- डे मील जैसी आवश्यकता-योजनाओं के साथ-साथ सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि सरकारी स्कूलों में उच्च स्तरीय ढांचागत सुविधाएं भी मिलेंगी, शिक्षक भी मिलेंगे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी मिलेगी। ध्यान रहे प्राथमिक शिक्षा तंत्र को मजबूत किए बिना उच्च और उच्चतर शिक्षण संस्थानों का मजबूत होना संभव नहीं है। हाल ही में संसद में प्रश्नों का जवाब देते हुए शिक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 5,152 पद खाली हैं। परीक्षाओं में धांधली, समय पर परीक्षाएं न होना, समय पर परिणाम न आना, समय पर दाखिले न होना आदि ऐसी अनेक बातें हैं जिनके चलते सरकारी शिक्षण संस्थानों की साख बिगड़ रही है। प्राथमिक स्कूलों के साथ-साथ देश में सैकड़ों महाविद्यालय ऐसे भी हैं जहां मूलभूत और ढांचागत व्यवस्थाओं का नितांत अभाव है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि प्रतिवर्ष लाखों भारतीय छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा हेतु जा रहे हैं। वर्ष 2024 में 7,60,000 छात्र विदेश में पढ़ने गए।

●डा.वेदप्रकाश

जन सुराज का...

ललित गर्ग

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए।

प्रकाश राज अपनी ...

सुभाष शिरढोनकर

एक्टिंग की तरह चैरिटी कामों के लिए भी मशहूर हैं प्रकाश राज

साउथ के पॉपुलर एक्टर्स में से एक जाने माने केरेक्टर एक्टर प्रकाश राज ने साल 1988 में फिल्म 'मिथिलेया सीथेयारू' से डेब्यू करने के बाद तमिल, कन्नड़ और कई शानदार तेलुगू फिल्में करते हुए विलेन के रोल में पहचान बनाई है। उनकी एक्टिंग को फैंस बहुत पसंद करते हैं। प्रकाश राज ने फिल्म शक्तिः द पावर (2002) से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद वो 'खाकी' (2004) में नजर आए थे। सलमान खान स्टारर फिल्म वॉन्टेड (2009) में प्रकाश राज के काम को पहली बार नोटिस किया गया। उसके बाद उन्होंने 'सिंघम', 'दबंग-2', 'मुंबई मिरर', 'पुलिसगिरी', 'हीरोपंती', 'गोलमाल अगेन', 'सिंह साहेब द ग्रेट', 'एंटरटेनमेंट' और 'जंजीर' जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में शानदार किरदार निभाये। साउथ की तरह हिंदी सिने दर्शक भी प्रकाश राज के काम को काफी पसंद करते हैं। साउथ की तरह यहां भी उनका एक बड़ा फैन बेस है। हिंदी फिल्मों में भी उनकी एक अलग पहचान है। प्रकाश राज को तमिल फिल्म 'कोचीवरम' के लिए बेस्ट एक्टर केटेगरी में और साल 1998 में आई फिल्म 'इरूवर' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर केटेगरी में नेशनल अवॉर्ड मिल चुके है। 'प्रकाश राज प्रोडक्शन' के तहत बनी कन्नड़ फिल्म 'पुट्टाकान्ना हाईवे' के लिए भी उन्हें बेस्ट फीचर फिल्म केटेगरी में नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। प्रकाश राज को अब तक कुल 5 नेशनल, 5 फिल्मफेयर और 3 विजय अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। 26 मार्च 1965 को बैंगलुरू की एक कन्नड़ फैमिली में जन्मे प्रकाश राज ने शुरुआती पढ़ाई सेंट जोसेफ इंडियन हाई स्कूल से करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए बेंगलुरु के सेंट जोसेफ कॉलेज में एडमीशिन लिया और वहां से कॉमर्स में डिग्री हासिल की। प्रकाश राज ने

शुरू से ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया था कि पढाई खत्म करने के बाद उन्हें एक्टिंग में आना है। इसी वजह से कॉलेज की पढाई के दौरान उन्होंने बैंगलुरू के एक ड्रामा स्कूल से एक्टिंग की बाकायदा ट्रेनिंग भी ली। पढाई खत्म करने के बाद प्रकाश राज ने थिएटर में काम करते हुए अपने करियर की शुरूआत की। काम के एवज में हर महीने उन्हें 300 रुपए मिल जाते थे। इसके अलावा वे स्ट्रीट प्ले भी करते थे। स्टेज शोज के जरिए अपनी एक्टिंग स्किल को बेहतर करने के बाद उन्होंने कुछ टीवी सीरियल में काम किया। उसके बाद साल 1988 में पहली बार उन्हें फिल्म 'मिथिलेया सीथेयारू' का ऑफर मिला, जो उनकी डेब्यू फिल्म बनी। उसके बाद उन्होंने अनेक तमिल, कन्नड़ तेलुगू और हिंदी फिल्में कर अपनी पहचान स्थापित की। प्रकाश राज अपनी एक्टिंग से ज्यादा सत्ता धारी पार्टी की बखिया उधेड़ने वाले बयानों के लिए जाने जाते है। प्रकाश राज संभवत एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के पहले ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने आज तक कोई मैनेजर नहीं रखा है। वह फोन कॉल अटेंड करने से लेकर फिल्म के सिलेक्शन, स्टोरी और फीस सब कुछ खुद ही डिसाइड करते हैं। प्रकाश राज अपनी कमाई का 20 परसेंट हिस्सा चैरिटी में देते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

संतोष कुमार तिवारी

फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी', पेंगुइन पब्लिकेशन और राहुल गांधी

देश के पूर्व आर्मी चीफ जनरल एम एम नरवणे की एक 'अप्रकाशित' किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' काफ़ी चर्चा में है। इस किताब की वजह से कॉंग्रेस नेताओं के तरफ से संसद में हंगामा हुआ और कई बार सदन स्थगित कर दिया गया। प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी इस किताब को लेकर सरकार को घेरते हुए दिखे लेकिन राहुल गांधी का यह दाव उल्टा साबित होता दिख रहा है क्योंकि किताब को प्रकाशित करने का जिम्मा और कॉपीराइट केवल पेंगुइन पब्लिकेशन को है जिसने साफ साफ कह दिया कि 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' किताब अभी छपी नहीं है तो राहुल गांधी के पास कैसे पहुंची? इस पर किताब के लेखक पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे का भी रिएक्शन आया। 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' किताब पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस मामले को लेकर एम एम नरवणे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया है। उन्होंने पेंगुइन पब्लिकेशन के ट्वीट को पोस्ट करते हुए लिखा, 'पुस्तक की वर्तमान स्थिति यही है।' हालांकि नरवणे ने इस मामले और किताब पर इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा। इससे पहले पेंगुइन पब्लिकेशन ने भी ट्वीट कर सफाई दी थी कि एक प्री-ऑर्डर वाली किताब और प्रकाशित किताब अलग-अलग चीजें हैं। अगर कोई कॉपी कहीं घूम रही है, तो यह कॉपीराइट उल्लंघन है। कंपनी ऐसी कॉपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। पेंगुइन ने पहले भी 9 फरवरी 2026 को बयान दिया था कि किताब प्रकाशन की प्रक्रिया में नहीं गई है जो बात राहुल गांधी के सवालों के जवाब में आई है। मालूम हो कि यह विवाद लोकसभा में शुरू हुआ

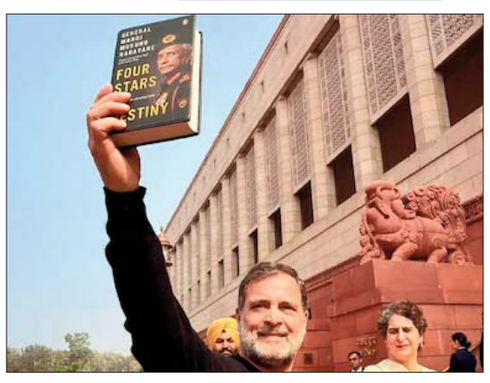

जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद परिसर में इस किताब की एक हार्डकॉपी दिखाई और कहा कि पूर्व सेना प्रमुख की किताब में कुछ ऐसी बातें हैं जो सरकार के लिए असुविधाजनक हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि किताब उपलब्ध है और इसमें गलवान घाटी विवाद जैसी संवेदनशील बातें हैं। उन्होंने जनरल नरावणे के 2023 के एक पुराने ट्वीट का हवाला दिया, जिसमें लिखा था कि उनकी किताब 'अब उपलब्ध है' और खरीदने के लिए लिंक दिया था लेकिन उस ट्वीट में प्री-आर्डर जैसा शब्द था जो यह नहीं सिद्ध करता कि किताब प्रकाशित हो गई है जिसके सम्बन्ध में पेंगुइन पब्लिकेशन ने बाकायदा पत्र भी जारी करके स्पष्ट किया है हालांकि राहुल गांधी ने पेंगुइन पब्लिकेशन पर सवाल उठाये है।

परिवर्तन

यह तो हम सब जानते हैं कि सुख और दुःख तो धूप छाँव की तरह हैं। वह यदि जीवन में होने वाले आकस्मिक परिवर्तनों के प्रति भी हम सही सोच मन में धारण कर लें तो बदलाव को स्वीकार करना बहुत सहज हो जाएगा । आज प्रत्येक व्यक्ति चाहता है की में दूसरों पर हुकूमत करूँ । वह दूसरे मेरे नियंत्रण में रहे । मेरा शासन हर-एक व्यक्ति पर चले। इस मनोवृत्ति का परिणाम यह होता हैं की मनुष्य स्वयं को भूल बैठता हैं। अपने भीतर की परख को छोड़कर वह बहिर्जगत में देखना शुरू कर देता हैं और उस ओर बढ़ता चला जाता हैं। वह उसने यह जानने की कोशिश भी नही की कि स्वयं के जीवन की धारा किधर जा रही है।उसका परिणाम यह होता हैं की मनुष्य उन्नति की अपेक्षा अवनति की ओर चला जाता हैं । सृष्टि का यह शाश्वत नियम हैं कि इस ब्रह्मांड में कुछ भी स्थायी रहने का नियम नहीं है । आदिकाल के पाषाण युग से परिवर्तित होते-होते हम आज के आणविक युग तक आ गए हैं। वह और न जाने आगे अब कहाँ तक पहुँचेंगे। इस परिवर्त-नशीलता में नश्वरता का स्वभाव सहायक है । वर्तमान नश्वर होकर जाएगा तभी तो नूतन नव सपने संजोकर आएगा । वह जो व्यक्ति इस नश्वरता को जान लेता है, वह कभी दुःखी नहीं होता है।वह हर आवश्यक परिवर्तन को सहर्ष स्वीकार कर लेता है।यहाँ तक कि उसका मृत्यु से भी भय समाप्त हो जाता है। इसी कारण वर्तमान को अधिक प्रेम से जीता है। उसका मन मोह से मुक्त हो जाता है। इसलिए कहते हैं कि नश्वरता हमें हर क्षण को अनमोल बनाना सिखाती है। अतः हम समझें वर्तमान में जीना ही अमरता का स्वाद है । यह तथ्य निर्विवाद है । इसको हृदयंगम करने वाला कभी असंतुष्ट नहीं होता हैं । हर परिवर्तन को सृष्टि का शाश्वत नियम समझ कर संतुष्ट ही रहता है। यह परिवर्तन प्रकृति का नियम हैं । सबकुछ बदलता हैं । स्थायी, शाश्वत केवल अस्तित्व रहता है । वह कोई भी आकार, नाम,रूप आदि स्थायी नहीं रहता हैं । मैं आज बोरावड़ में हूं । वह पूछा जाए कि दो सौ वर्ष पहले वहां कौन कौन व्यक्ति थे । उनका सबका नाम बताओं । पता नहीं कोई बता सकेगा या नहीं ? दो सौ वर्ष पहले यह मकान कहां था ? वह जिस भवन में हम बैठे है इस मकान की जमीन की क्या स्थिति थी ? वह सब कहते हैं कि बड़ी विचित्र कहानी हैं । नए का निर्माण और पुराने का विघटन होता रहता हैं । वह परिवर्तन तो होता हैं किंतु परिवर्तन को स्वीकार करना बड़ा कठिन हैं । वह बदलाव को स्वीकार करना हर किसी के वश की बात नहीं हैं । कोई बहुत ही समझदार होता हैं वही स्वीकार कर सकता हैं । वह परिवर्तन को समझना बड़ा कठिन हैं । कोई समझाने वाला हो तो भी यह आसान नहीं हैं ? वह कोई समझाने वाले समर्थ गुरु मिले और उसको समझा दें स्पष्टता से तो अलग बात हैं । सामान्य व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं हैं । वह समर्थ गुरु होते हैं वह बदलाव कर देते हैं । चेतना को बदल देते हैं । परिवर्तन जीव और अजीव सभी में स्वाभाविक है । वह गुण हमेशा साथ रहता है और पर्याय बदलते रहते है । हमें दिशा परिवर्तन करने की आवश्यकता होती है । हम अपने विवेक से कर्म संस्कारों को खपाकर आत्मलीन होकर अपना भव भ्रमण को सीमित करने की सोचने की ओर अग्रसर हो । यही हमारा आत्मशुद्धि का लक्ष्य होना चाहिए ।

› प्रदीप छाजेड़

टी-20 वर्ल्ड कप में रोहतक के मयंक का दम

यूएई टीम की तरफ से खेला, न्यूजीलैंड के खिलाफ 13 गेंदों में बनाए 21 रन

रोहतक, एजेंसी

रोहतक के गांव घिलौड़ के रहने वाले मयंक चौधरी ने टी-20 वर्ल्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में UAE टीम की तरफ से खेलते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 13 गेंदों में 21 रनों की छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेली। 16वें ओवर में आए मयंक चौधरी ने 2 चौके व एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए। मयंक चौधरी ने टी-20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम का सामना किया। 16वें ओवर में मयंक चौधरी को बैटिंग करने का मौका मिला। मयंक ने अपने स्वभाव के अनुरूप तेज बैटिंग की और 2 चौके व एक छक्के की मदद से स्कोर को 21 रनों तक पहुंचाया। इस दौरान मयंक चौधरी लॉकी फर्ग्यूसन की गेंद पर छक्का मारने के चक्कर में मिचेल सेंटनर को कैच थमा बैठे। मयंक चौधरी की खेल प्रतिभा को देखते हुए 2021 में दुबई की क्रिकेट टीम में शामिल किया गया। वहां दुबई डेयर डेविल्स क्लब की तरफ से कई टूर्नामेंट खेले। बाद में मयंक को यूएई की टीम में शामिल किया गया और लगातार पिछले दो एशिया कप में टीम में हिस्सा रहते हुए मैचों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मयंक चौधरी श्रीश्री क्रिकेट एकेडमी पंचकूला की तरफ से खेलता रहा।

टी20 वर्ल्ड कप में शॉट लगाते हुए रोहतक के मयंक चौधरी।

हरियाणा की रणजी टीम में नहीं हुआ चयन

मयंक चौधरी ने हरियाणा की रणजी टीम में चयनित होने के लिए काफी प्रयास किया। दो बार हरियाणा रणजी टीम के 2017 व 2018 के कैंप में भी शामिल हुआ, लेकिन टीम का हिस्सा नहीं बन सका। काफी प्रयासों के बाद भी जब रणजी टीम में शामिल नहीं हुआ तो 2021 में दुबई चला गया।

10 साल की उम्र में शुरू किया खेलना

मयंक चौधरी जब मात्र 10 साल का था तो क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। गवर्नमेंट मॉडल स्कूल से 12वीं की पढ़ाई की और डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ से पीजी की डिग्री ली। इसी बीच खेलना जारी रखा और पढ़ाई व खेल के बीच एक सामंजस्य बनाए रखा।

अंडर 14 में खेला स्कूल नेशनल टूर्नामेंट

मयंक चौधरी ने पहली बार स्कूल की तरफ से अंडर 14 नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट खेला। उसके बाद अंडर-16 में भी नेशनल टूर्नामेंट में भाग लिया। कॉलेज में जाने के बाद अंडर- 19 व अंडर- 23 में खेलता रहा। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से मयंक चौधरी ने सीनियर क्रिकेट टूर्नामेंट भी खेला। मयंक चौधरी श्रीश्री क्रिकेट एकेडमी पंचकूला की तरफ से खेलता रहा।

क्रिकेट की बारीकियां सीख वर्ल्ड-कप में डेब्यू किया

लुधियाना। लुधियाना के सरकारी स्कूल से पढ़ें शेर बहादुर मल्ला ने मेन्स टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया। उन्होंने नेपाल की ओर से खेलते हुए पहली ही बॉल पर अपना पहला वर्ल्ड कप विकेट लिया। मल्ला ने क्रिकेट खेलने की शुरुआत लुधियाना के सरकारी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल पीएयू (पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी) से की थी। यहां करीब 5 साल तक स्कूल के कोच से ही क्रिकेट की ट्रेनिंग ली। मैच के बाद उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल और कोच से वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान प्रिंसिपल ने उन्हें स्कूल आने का न्यौता भी दिया। रविवार को खेले गए टी-20 मुकाबले में नेपाल की टीम जीत के बेहद करीब पहुंच गई थी। इंग्लैंड के 184 रनों के जवाब में नेपाल ने 180 रन बनाए। नेपाल की टीम 4 रनों से मैच हार गई। शेर बहादुर मल्ला ने नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत की टीम का भी प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद बोर्ड ने उन्हें अंडर-19 की बी टीम की कप्तानी सौंपी। 8 फरवरी 2026 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की।

तेंदुलकर ने मोदी को बेटे की शादी का न्योता दिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमित शाह और राहुल गांधी से भी मिले

नई दिल्ली, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और उन्हें अपने बेटे अर्जुन और सानिया चंडोक की शादी का न्योता दिया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सचिन ने लिखा, "प्रधानमंत्री को शादी का निमंत्रण देना हमारे लिए सम्मान की बात है।" सचिन ने युवा जोड़े को प्रधानमंत्री से मिले आशीर्वाद के लिए धन्यवाद भी दिया। सचिन परिवार समेत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिले और उन्हें भी शादी में आने का न्योता दिया। अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च को मुंबई में होने वाली है। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं और अर्जुन की बहन सारा तेंदुलकर की करीबी दोस्त हैं। घई परिवार हॉस्पिटैलिटी और फूड

वर्ल्ड में जाना-माना नाम है। उनका इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप है, जिसकी मल्टीनेशनल वैल्यू 18.43 बिलियन डॉलर (1.6 लाख करोड़ रुपए) है। उनका मुंबई में इंटरकॉन्टिनेंटल होटल है और परिवार फेमस आइसक्रीम ब्रांड ब्रूकलिन क्रीमरी का भी मालिक है। मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं।

फास्ट न्यूज

रणवीर सिंह के बाद सलमान के रिश्तेदार को मिली धमकी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद अब सलमान खान के रिश्तेदार को करोड़ों रुपए न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है ये घटना मगंलवार की बताई जा रही है। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान के करीबी रिश्तेदार को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। मेल में साफ लिखा है कि अगर करोड़ों रुपयों की मांग पूरी नहीं की जाती तो उन्हें जान का खतरा होगा।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, शूटर समेत 9 की मौत

ओटावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में मंगलवार को एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गईं हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं।

देशभर में आज बैंक हड़ताल

नई दिल्ली। देश भर में कल कल यानी 12 फरवरी को सभी बैंक के कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। देश के बड़े बैंक संगठनों ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन (AIBEA), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA) और बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI) जैने कल हड़ताल का ऐलान किया है। कि 12 फरवरी को हड़ताल के कारण बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

जेल में बंद राजपाल यादव के सपोर्ट में उतरी इंडस्ट्री

सोनू सूद के बाद गुरमीत चौधरी और फिल्म फेडरेशन ने मदद की अपील की, आर्थिक सहायता मिली

मुंबई, एजेंसी

9 करोड़ रुपए के चेक बाउंस केस में सरेंडर के बाद से एक्टर राजपाल यादव तिहाड़ जेल में बंद हैं। एक्टर इन दिनों आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं और उनके पास लौटाने के लिए इतनी बड़ी रकम नहीं है। खबर सामने आने के बाद एक्टर सोनू सूद ने राजपाल यादव को फिल्म में साइन कर एक बड़ा साइनिंग अमाउंट दिया और साथ दूसरे प्रोड्यूसर से मदद के लिए आगे आने की अपील की थी। इसके बाद से ही राजपाल यादव को देशभर से आर्थिक मदद मिल रही है। आगे गुरमीत लिखते हैं, एक साथी कलाकार और इंसान होने के नाते, मैं अपनी तरफ से हर संभव मदद करने के लिए आगे आ रहा हूं। मैं सभी प्रोड्यूसरों, डायरेक्टर्स और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से विनम्र अपील करता हूं कि हम सब मिलकर, इंसानियत और करुणा के साथ, कोई रास्ता निकालें। हमारी इंडस्ट्री एक परिवार है, और परिवार अपने लोगों को अकेला नहीं छोड़ता।

फिल्म फेडरेशन ने प्रोड्यूसर्स से की मदद की अपील

बुधवार को FWICE (फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉय्ज) ने सभी प्रोड्यूसर से अपील की है कि वो जल्द से जल्द राजपाल यादव की मदद करें। फेडरेशन की ओर से जारी प्रेस रिलीज में लिखा गया है, आगे लिखा गया है, 'इस निर्णायक घड़ी में FWICE का मानना है कि यह समय है जब फिल्म इंडस्ट्री अपने एक साथी के प्रति एकजुटता, करुणा और सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दे।

सोनू सूद ने एक्स और इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, राजपाल यादव एक बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता हैं जिन्होंने हमारी फिल्म इंडस्ट्री को कई यादगार और अविस्मरणीय काम दिए हैं। कभी-कभी जिंदगी अन्यायपूर्ण हो जाती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी में टैलेंट की कमी है, बल्कि समय कभी-कभी बहुत कठोर हो सकता है।

तेज प्रताप यादव ने दी 11 लाख रुपए की मदद

राजपाल यादव की मदद की घोषणा करते हुए राजनेता तेज प्रताप यादव ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा, मुझे अभी मेरे बड़े भाई राव इंदरजीत यादव जी की पोस्ट के माध्यम से माननीय राजपाल यादव जी के परिवार की पीड़ा के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। मैं JJD परिवार की ओर से 11,00,000 (ग्यारह लाख रुपए) की आर्थिक सहायता उनके परिवार को प्रदान कर रहा हूं।

राजपाल यादव सिर्फ ऐसे प्रसिद्ध अभिनेता ही नहीं हैं जिन्होंने अपनी अभिनय प्रतिभा से लाखों लोगों को खुशी और हंसी दी है, बल्कि वे इंडस्ट्री के एक समर्पित सदस्य भी हैं, जिन्होंने दशकों की मेहनत और यादगार भूमिकाओं के जरिए भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। श्री राजपाल यादव इस समय गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जिनमें बढ़ती देनदारियां और कारावास भी शामिल हैं। यह स्थिति उनके चरित्र या ईमानदारी को नहीं दर्शाती, बल्कि उन हालात का परिणाम है जो नियंत्रण से बाहर हो गए।

गुरमीत चौधरी ने भी की अपील

एक्टर गुरमीत चौधरी ने राजपाल यादव का समर्थन कर लिखा है, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि इतने सीनियर और बेहद प्रतिभाशाली कलाकार राजपाल यादव इस मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने हमें अनगिनत मुस्कानें, हंसी और यादगार पल दिए हैं। आज उन्हें हमारी जरूरत है। आर्थिक संकट किसी को भी प्रभावित कर सकता है, चाहे उसका कद या सफलता कुछ भी हो। एक बिरादरी के रूप में हमारी पहचान इस बात से तय होती है कि हम जरूरत के समय अपने सहयोगियों के साथ कैसे खड़े होते हैं।'

फ्रांसीसी टीचर ने 89 नाबालिगों के साथ किया रेप

50 साल में भारत समेत 9 देशों की लड़कियों को निशाना बनाया, मां-मौसी की हत्या की

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में एक 79 साल के रिटायर्ड शिक्षक पर 1960 के दशक से 2022 तक 89 नाबालिगों के साथ रेप और यौन शोषण का आरोप लगा है। फ्रांस के ग्रेनोबल शहर में अभियोजक एटिएन मंटो ने मंगलवार को इस केस को सार्वजनिक करते हुए पीड़ितों से आगे आने की अपील की। आरोपी का नाम जैक लेवुग्ल है। अभियोजक के अनुसार जैक लेवुग्ल ने 1967 से 2022 के बीच भारत, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, मोरक्को, नाइजर, अल्जीरिया, फिलीपींस, कोलंबिया और फ्रांस में नाबालिगों के साथ यौन अपराध किए वह फ्रेंच भाषा के शिक्षक और गुफा अध्ययन (स्पेलियोलॉजी) के ट्रेनर के रूप में काम करता था। अभियोजक के अनुसार, वह हर जगह जाकर युवाओं से मिलता था और उनके साथ यौन संबंध बनाता था। पीड़ितों की उम्र 13 से 17 साल के बीच बताई गई है। वह 2024 में आरोप तय होने के बाद से हिरासत में है। अभियोजक के मुताबिक आरोपी ने अपनी बीमार मां और बुजुर्ग मौसी की हत्या की बात भी कबूल की है। जांच के दौरान आरोपी ने 1970 के दशक में अपनी कैंसर से पीड़ित मां को तकिए से दम घोंटकर मारने की बात कबूली। उसने 1990 के दशक में अपनी 92 साल की बुआ की भी तकिए से हत्या की। अभियोजक के अनुसार मौसी ने उसे यात्रा पर जाने से रोका था अभियोजक के मुताबिक आरोपी अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराता है कि अगर वह खुद जीवन के अंतिम चरण में ऐसी स्थिति में हो, तो वह भी चाहता है कि कोई उसके साथ ऐसा ही करे। बीते साल भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। मई 2024 में फ्रांस की एक अदालत ने रिटायर्ड डॉक्टर जोएल ले स्कुआर्नेक को 20 साल की सजा सुनाई थी। पीड़ितों और बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा था कि इस मामले ने सिस्टम की खामियां उजागर कीं।

यूएसबी ड्राइव से सामने आए 89 पीड़ित

यह मामला तब सामने आया जब आरोपी के भतीजे को उसपर शक हुआ। भतीजे ने आरोपी के कमरे की तलाशी ली जहां उसे एक USB ड्राइव मिली, जिसमें नाबालिगों के साथ उसके यौन संबंधों की तस्वीरें शामिल थे। इस ड्राइव में 15 पार्टस में डिटेल में बताया गया था। उसमें उसने खुद नाबालिगों के साथ यौन संबंध का जिक्र किया था। जांचकर्ताओं ने इन लेखों को पढ़कर 89 नाबालिग पीड़ितों की पहचान की।

आरोपी का नाम सार्वजनिक हुआ

अभियोजक एटिएन मंटो ने दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के ग्रेनोबल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस मामले में आरोपी का नाम सार्वजनिक किया गया है। उन्होंने कहा, "यह नाम लोगों को पता होना चाहिए, ताकि पीड़ित सामने आ सकें।" जब उनसे पूछा गया कि जांच शुरू होने के समय नाम क्यों नहीं बताया गया, तो उन्होंने कहा कि यह अलग मामला था और पहले मामले की जांच जरूरी थी। बाद में लगा कि जिन पीड़ितों की पहचान नहीं हो पाई है, उन्हें सामने आने का मौका देना जरूरी है।

इस स्कैच में जोएल ले स्कुआर्नेक को साल 2025 में मुकदमे के दौरान दिखाया गया है।

मंटो ने कहा, "उसने तय किया कि वह उसे भी मार देगा। जब वह सो रही थी, तब उसने तकिए से उसका दम घोंट दिया।" अपने डायरी में आरोपी ने लिखा था कि उसने दो लोगों की हत्या की है। इन दोनों मामलों में अलग से हत्या की जांच शुरू की गई है।

अमेरिका ने हमारा इस्तेमाल किया : ख्वाजा आसिफ

मतलब निकलने पर टॉयलेट पेपर की तरह फेंका, साथ देने की कीमत आज भी चुका रहे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा, हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं। इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया। उन्होंने 1979 में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि यह कदम अफगान सरकार के न्योते पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपनी तरह से नरेटिव तैयार किया। आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा और अपने छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा। उन्होंने कहा कि अब इन देशों का यहां पहले से ज्यादा प्रभाव है, जो 30-40 साल पहले नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि पाकिस्तान का आतंकी इतिहास रहा है। आसिफ ने कहा कि अफगानिस्तान की दो जंगों में शामिल होना पाकिस्तान की बड़ी भूल थी और आज देश में जो आतंकवाद है, वह उन्हीं गलतियों का नतीजा है।

गिरावट : ₹2.58 लाख प्रति किलो पर आई, सोना ₹20,008 गिरकर ₹1.56 लाख पर आया

चांदी 13 दिन में ₹1.27 लाख सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिन की तेजी के बाद 11 फरवरी को सोने और चांदी के बाजार में गिरावट देखी गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, चांदी और सोने दोनों की कीमतों में कमजोरी दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों में थोड़ी सावधानी देखने को मिली। IBJA के अनुसार, चांदी की कीमत में आज 1,000 रुपए प्रति किलो की गिरावट हुई। इसके चलते चांदी का भाव 2.58 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गया, जबकि मंगलवार को इसकी कीमत 2.59 लाख रुपए प्रति किलो थी। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी अभी भी अपने ऑल टाइम हाई के मुकाबले 1.28 लाख रुपए सस्ती है। गौरतलब है कि 29 जनवरी को चांदी की कीमत 3.86 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच चुकी थी, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर था। सोने के बाजार में भी आज कमजोरी देखने को मिली। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 142 रुपए घटकर 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। इससे पहले 10 फरवरी को सोने के दाम 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थे। सोने के विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती और निवेशकों द्वारा मुनाफा बुकिंग की वजह से हुई है। 29 जनवरी को सोने की कीमत अपने ऑल टाइम हाई 1.76 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंची थी, यानी आज सोना करीब 20 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वित्तीय विश्लेषकों के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतों में यह गिरावट अस्थायी हो सकती है। निवेशकों को चाहिए कि वे हड़बड़ी में निर्णय न लें और बाजार की लंबी अवधि की स्थिति पर ध्यान दें। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक आर्थिक संकेतकों और अमेरिकी डॉलर की स्थिति के आधार पर सोने और चांदी के दामों में फिर से उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

भारत-यूएस ट्रेड डील में भारत को और राहत

वॉशिंगटन डीसी/नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत के साथ हुई हालिया ट्रेड डील पर जारी अपनी फैक्ट शीट में कई बड़े बदलाव किए हैं। पहले जिन बातों का साफ जिक्र था, अब उन्हें या तो हटा दिया गया है या उनकी भाषा बदली गई है। पिछले हफ्ते दोनों देशों ने ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी कर आगे की रूपरेखा बताई थी, लेकिन अब उसी दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव दाल को लेकर है। पहले कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करेगा, जिसमें दाल भी शामिल थी। अब नए दस्तावेज से दाल का जिक्र हटा लिया गया है। 500 अरब डॉलर की खरीद को लेकर भी भाषा बदली गई है। पहले लिखा था कि भारत, अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने के लिए 'कमिटेड' है। अब इसे बदलकर 'इरादा रखता है' कर दिया गया है। नए दस्तावेज में सिर्फ एनर्जी, सूचना और संचार तकनीक, कोयला और कुछ अन्य सामान की बात कही गई है। डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका ने नरमी दिखाई है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 47% बढ़कर ₹4,675 करोड़

तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 26% बढ़ा, एक साल में कंपनी का शेयर 20% चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

महिंद्रा एंड महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार (YoY) 47% बढ़कर 4,675 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही (Q3FY25) में कंपनी को 3,181 करोड़ का मुनाफा हुआ था। आज (11 फरवरी) को कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। नतीजों के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 0.16% की तेजी के साथ 3,681 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते एक साल में शेयर 20% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 4.41 लाख करोड़ रुपए है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑपरेशन से रेवेन्यू में सालाना आधार पर 26% की बढ़ोतरी हुई है। FY26 की तीसरी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 52,100 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY25 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 41,470 करोड़ रहा था। तीसरी तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार (YoY) पर 26% बढ़कर 52,958 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 41,881 करोड़ रुपए थी। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी की टोटल इनकम 13% बढ़ी है। कंपनी की गाड़ियों की सेल्स भी सालाना आधार पर 23% बढ़कर 3.02 लाख यूनिट्स रही। कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है। कंपनी के ग्रोथ जेम्स कहे जाने वाले छोटे बिजनेस भी अब बड़े प्लेयर्स बन रहे हैं। महिंद्रा लॉजिस्टिक्स 11 तिमाहियों के बाद घाटे से मुनाफे में आ गई है, जबकि महिंद्रा लाइफस्पेस (रियल एस्टेट) के मुनाफे में 5 गुना ग्रोथ हुई है। खेती-किसानी के सीजन में महिंद्रा के ट्रैक्टरों की बिक्री में 23% का उछाल आया। कंपनी ने 1.50 लाख ट्रैक्टर बेचकर बाजार में अपनी नंबर-1 पोजीशन कायम रखी है।

बचपन की सहेलियां ट्रेन से कटीं

एक की 6 महीने पहले हुई थी शादी, आज ही मायके आई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

मलिहाबाद (लखनऊ)। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में हादसा हो गया। यहां मनकोटी गांव के बाहर ट्रेन पटरी पर बचपन 2 सहेलियां कट गईं। एक लड़की की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। वह आज (11 फरवरी) ही सुबह मायके आई थी। कुछ देर बाद दोनों की डेडबॉडी ट्रेन पटरी पर मिली। ट्रेन से लड़कियों के कटने की सूचना पर गांववालों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना बेलवा रेलवे फाटक के पास की है। मृतक सहेलियां रहीमाबाद के मनकोटी गांव की थीं। गांववालों के अनुसार, वे दोनों हरपल साथ ही रहती थीं। आज दोनों की साथ ही मौत हो गई। शशि की ट्रेन में टांग कटकर अलग गिरी। वहीं, नीतू के सिर पर गहरी चोट लगी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। शशि के भाई विनोद ने बताया कि मैं काम पर घर से बाहर गया था। दोनों सहेलियों के बीच कोई विवाद नहीं है। लोगों ने मुझे बताया कि ट्रेन से दो लड़कियां कट गई हैं। उसके

बाद मैं देखने गया तो देखा कि एक लड़की शशि मेरी बहन थी। ऐसा क्यों किया, यह मुझे भी समझ नहीं आ रहा है। परिवार में शशि की दूसरी बहन पूनम, भाई राजकुमार, अवधेश, विकास, मनीष, मैं और पिता अशर्फी लाल हैं। नीतू के पिता बुद्धा को जब सूचना मिली तो वह खेत में काम कर रहे थे। बुद्धा ने बताया- न मायके में और न ही ससुराल में कभी ऐसी कोई भी बात की जानकारी नहीं मिली थी। पता नहीं क्यों ऐसा हुआ। मैं तो खेत में आलू खोद रहा था। सूचना मिली तो दौड़ते चला आया। नीतू ने 10वीं तक पढ़ाई की थी।

युवतियों की उम्र 20 और 23 साल

रहीमाबाद थाना पुलिस के अनुसार, मृतक युवतियों की उम्र 20 और 23 साल है। 20 वर्षीय शशि पुत्री अशर्फी लाल और 23 वर्षीय नीतू पुत्री बुद्धा की मौत हुई। इन दोनों की ट्रेन से कटने की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे ट्रैक पार रही थीं लेकिन दूसरे एंगल पर भी जांच की जा रही है। नीतू के मायके आने के बाद दोनों घर से निकलीं और ट्रेन से टकराकर उनकी मौत हो गई। आशंका है कि दोनों ने सुसाइड किया होगा। बहरहाल जांच और पूछताछ के बाद पता चल सकेगा कि आखिर यह हादसा था या सुसाइड।

दोनों हरपल साथ रहती थीं, एक की शादी हुई

घरवाले कुछ भी नहीं बता रहे हैं। वहीं, पड़ोसियों का कहना है कि नीतू और शशि बचपन से ही हरपल साथ रहती थीं। नीतू की शादी 6 महीने पहले हुई थी। उसका पति इशू चंडीगढ़ में रहकर काम करता है। नीतू आज ही अपने मायके आई हुई थी। अपनी सहेली शशि के साथ गांव के बाहर निकली।

नीतू के पिता बुद्धा को जब सूचना मिली तो वह खेत में काम कर रहे थे। बुद्धा ने बताया- न मायके में और न ही ससुराल में कभी ऐसी कोई भी बात की जानकारी नहीं मिली थी। पता नहीं क्यों ऐसा हुआ। मैं तो खेत में आलू खोद रहा था। सूचना मिली तो दौड़ते चला आया। नीतू ने 10वीं तक पढ़ाई की थी। शादी के बाद पढ़ाई रुक गई थी। शादी से पहले वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी।

पूर्व सीएम मायावती पर आपत्तिजनक पोस्ट

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर एक कार्यकर्ता ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर श्रेया यादव नाम की फेसबुक आईडी के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। मामले को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। कैंट विधानसभा अध्यक्ष गंगाराम वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 9 फरवरी को दोपहर करीब 4 बजे दामोदर नगर, आलमबाग स्थित कैंट विधानसभा प्रभारी देवेश कुमार गौतम के आवास पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। इसी दौरान मोबाइल पर फेसबुक देखते समय एक पोस्ट पर उनकी नजर पड़ी, जो श्रेया यादव नाम की फेसबुक आईडी से की गई थी। तहरीर के अनुसार, उक्त पोस्ट में मायावती के लिए बेहद आपत्तिजनक, अभद्र और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य शब्दों का प्रयोग किया गया था। पोस्ट को पढ़ते ही बैठक में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हो गईं और मौके पर नाराजगी का माहौल बन गया।

भाजपा का विदाई बजट जनता के लिए मायने नहीं रखता : अखिलेश यादव

गरीब, किसान और युवाओं के लिए बजट में कोई ठोस योजना नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने आज राज्य मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा सरकार के बजट पर हमला बोला। उन्होंने इसे ₹आखिरी और भ्रमित करने वाला बजट₹ करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों को भूल चुकी है और केवल आंकड़ों और प्रचार से जनता को गुमराह कर रही है। श्री यादव ने कहा कि बजट में गरीबों, किसानों और युवाओं के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। सरकार ने पिछले बजट का 50 प्रतिशत भी खर्च नहीं किया है। उनका कहना था कि जीएसडीपी के आंकड़े वास्तविक नहीं हैं, बल्कि अनुमानित हैं, और सरकार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना दिखा रही है,

लेकिन जरूरी कदम नहीं उठा रही। उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र का हाल बुरा है। यूपी की प्रति व्यक्ति आय देश में नीचे से दूसरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन गरीबों को राशन दिया जा रहा है, उनकी प्रति व्यक्ति आय क्या है। अखिलेश यादव ने बजट में एमएसए-मई और निवेश पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि पिछले दस साल में केवल एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आया, वह भी जमीन पर दिखाई नहीं देता। नौजवान बेरोजगारी से परेशान हैं और सरकार के पास इसका कोई समाधान नहीं है। अमेरिका के साथ किए जा रहे व्यापार समझौते का असर सबसे ज्यादा किसानों और लघु-मध्यम उद्योगों पर पड़ेगा, लेकिन इसके लिए सरकार तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों की आय दोगुनी करने, एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि योजनाओं के वादे पूरे नहीं हुए। स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी अस्पतालों की स्थिति चिंताजनक है। यूपी के दोनों एम्स को पर्याप्त बजट नहीं मिला, और कई जिलों में बच्चों को गलत दवा दी गई। पुलिस व्यवस्था पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस और अपराधी एक ही टीम में शामिल हो गए हैं। संगठित अपराध बढ़ा है और पुलिस का कोई डर नहीं बचा।

फास्ट न्यूज

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हरदोई रोड स्थित अंधे की चौकी के पास मछली मंडी गेट के सामने ईंटों से लदी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारुति वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

किराना स्टोर में लगी आग, 10 फीट तक लपटें निकलीं

लखनऊ। लखनऊ के यहियागंज इलाके में मंगलवार देर रात एक किराना दुकान में आग लग गई। आग लगते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोग गली में निकल आए। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और अंदर रखे सामान धू-धूकर जलने लगे। इस दौरान दुकान से 10 फीट तक लपटें निकलीं। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने करीब 30 मिनट पर आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुकान से धुआं और लपटें उठती देख लोगों ने तुरंत चौक फायर स्टेशन को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के दौरान आसपास की दुकानों को एहतियातन खाली करा लिया गया था। राहत की बात यह रही कि घटना के समय दुकान के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

पीलीभीत में महिला को बाघ ने मार डाला

पीलीभीत। पीलीभीत में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को बाघ ने मार डाला। महिला जंगल में गई हुई थी। तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने हमला कर दिया। जबड़े में गला दबोचकर घने जंगल में लेकर चला गया। परिजनों को सुबह महिला का शव कॉलोनी से महज 200 मीटर दूर जंगल में पड़ा मिला। महिला के पेट और गले का मांस गायब था। गले की हड्डी को बाघ ने तोड़ दिया था।

यूजीसी रेगुलेशन के समर्थन में वकील एकजुट

कैसरबाग चौराहे से परिवर्तन चौक तक नारेबाजी करते हुए निकाला मार्च

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को सामाजिक न्याय मोर्चा, उत्तर प्रदेश के बैनर तले यूजीसी विनियमावली 2026 के समर्थन में पैदल मार्च निकाला गया। यह मार्च स्वास्थ्य भवन चौराहे से शुरू होकर परिवर्तन चौक तक गया। इसके बाद कलेक्ट्रेट के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन भेजा गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यूजीसी विनियमावली 2026 उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और सामाजिक न्याय को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मांग की कि विनियमावली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और सभी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण व्यवस्था

का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। वाकीलो का कहना था कि सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण कोटा पूरी पारदर्शिता के साथ लागू होना चाहिए, ताकि वंचित वर्गों को उनका अधिकार मिल सके। मार्च के दौरान उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग भी उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि न्यायपालिका में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि सामाजिक न्याय की अवधारणा मजबूत हो सके।

'यूपी सरकार पंडित दीनदयाल के सपने साकार कर रही'

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी श्रद्धांजलि, सीएम योगी ने भी चित्र पर चढ़ाए फूल

- सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय को याद किया।
- कार्यक्रम को भाजपा महानगर अध्यक्ष ने संबोधित कर शुरू किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा। इसमें सीएम योगी को पहुंचना था लेकिन वह कैबिनेट बैठक और उसके बाद बजट सत्र के चलते नहीं पहुंच पाए। इसके बाद कार्यक्रम को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संबोधित किया। उन्होंने कहा- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को उत्तर प्रदेश सरकार

साकार कर रही है। सीएम योगी की गैरमौजूदगी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया और भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यक्रम चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल स्मृतिका वाटिका में आयोजित किया गया। सीएम कार्यक्रम में नहीं पहुंचे लेकिन उन्होंने अपने सरकारी आवास पर ही पंडित दीनदयाल के चित्र पर फूल चढ़ाए। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर आज लखनऊ में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सशक्त राष्ट्र के निर्माण तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की ज्योति पहुंचाने का उनका संदेश हम सभी के लिए अप्रतिम प्रेरणा का स्रोत है। ब्रजेश पाठक ने कहा- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों के क्रम में यूपी सरकार हर गरीब को पक्का मकान, हर गरीब को जीवन जीने लायक सभी वस्तुएं दे रही है। मैं उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की तरफ से पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं।

कुकरैल नाइट सफारी के लिए 207 करोड़ का बजट

कैंसर संस्थान और प्रेरणा स्थल के लिए खोला खजाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के बजट में योगी सरकार ने लखनऊ को बड़ा तोहफा दिया है। वित्त मंत्री ने शहर के विकास के लिए तकरीबन 1000 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया है। सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट लखनऊ के कुकरैल नाइट सफारी के लिए 207 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लिए 50 करोड़ का फंड दिया जाएगा। जियामऊ स्थित कैंसर संस्थान के लिए 315 करोड़ रुपए दिए गए हैं। बजट में बताया गया है कि लखनऊ में मिल्क प्रोड्यूसिंग कंपनी खोली जाएगी। इसके अलावा, लखनऊ में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना के लिए अतिरिक्त बजट जारी किया गया है। सरकार को अनुमान है कि डिफेंस कॉरिडोर से पूरे प्रदेश में 53,263 लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। कुकरैल नाइट सफारी 2027

एकड़ में तैयार की जा रही है। नाइट सफारी में 1,510 करोड़ रुपए का बजट लगेगा। सरकार ने पिछले बजट में 100 करोड़ रुपए जारी किए थे। सरकार का कहना है कि इस सफारी को सिंगापुर की नाइट सफारी की तर्ज पर बनाया जाएगा। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के प्रबंधन, संचालन, सुरक्षा और अनुरक्षण के लिए 50 करोड़ रुपए का कॉर्पस फंड जारी किया गया है। लखनऊ विकास क्षेत्र और प्रदेश के दूसरे विकास प्राधिकरणों के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है।

लखनऊ में वेव मॉल को फीते से

पार्किंग एरिया में बना रखीं अवैध दुकानें, 7 दिन में हटाने का अल्टीमेटम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड स्थित वेव मॉल में पार्किंग में 50 से अधिक अवैध दुकानें बना दी गईं। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की टीम बुधवार को फोर्स के साथ इनकी नपाई करने पहुंची। जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी और रवि नंदन के नेतृत्व में टीम ने मॉल परिसर और उसके चारों ओर बनी चार मंजिला इमारत की नाप-जोख की वर्ष 2004 में बने इस मॉल की IGRS पोर्टल पर शिकायत हुई थी। शिकायत में आरोप है कि कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी होने के बाद भी भवन में मानचित्र से अलग निर्माण (डेविएशन) किया गया है। इसी आधार पर LDA ने जांच कमेटी गठित कर नपाई शुरू कराई है। जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया- थाना विभूतिखंड क्षेत्र में स्थित वेव मॉल के संबंध में डेविएशन की शिकायत प्राप्त हुई है। कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के बाद निर्माण में बदलाव के आरोपों की जांच की जा रही है। फिलहाल

फ्लोर-वाइज स्वीकृत प्लान मंगाया जा रहा है और इंजीनियरों की रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। प्रारंभिक जांच में कॉलम और बाउंड्री से संबंधित कुछ मामूली डेविएशन चिन्हित किए गए हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पूरी नपाई और तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। एलडीए के अधिकारियों का कहना है कि शहर में बिना अनुमति या स्वीकृत मानचित्र से अलग निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के जरिए मॉल परिसर में संचालित अस्थायी दुकानों को अवैध बताते हुए अनाउंसमेंट भी किया। टीम ने मौके पर मौजूद मानचित्र को भी देखा। जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया- थाना विभूतिखंड क्षेत्र में स्थित वेव मॉल के संबंध में डेविएशन की शिकायत प्राप्त हुई है। कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के बाद निर्माण में बदलाव के आरोपों की जांच की जा रही है। फिलहाल फ्लोर-वाइज स्वीकृत प्लान मंगाया जा रहा है और इंजीनियरों की रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। प्रारंभिक जांच में कॉलम और बाउंड्री से संबंधित कुछ मामूली डेविएशन चिन्हित किए गए हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पूरी नपाई और तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। एलडीए के अधिकारियों का कहना है कि शहर में बिना अनुमति या स्वीकृत मानचित्र से अलग निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है।

दीदार : सिरिवन्नावरी नरिरत्ना ने डायना बेंच पर फोटो खिंचवाई, टूरिस्टों से फोटो डिलीट करवाए

ताजमहल देखने पहुंचीं थाईलैंड की राजकुमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नावरी नरिरत्ना ने बुधवार सुबह ताजमहल का दीदार किया। ताजमहल देखते ही खुद को रोक नहीं पाई और कैमरे में ताज को कैद किया। इसके बाद डायना सीट पर बैठकर फोटो भी खिंचवाई। उनके साथ उनका प्रतिनिधि-मंडल भी है। हालांकि इस दौरान राजकुमारी के इशारे पर सुरक्षा कर्मियों ने किसी को भी फोटो और वीडियो नहीं लेने दिया। इस दौरान कुछ विदेशी टूरिस्टों ने फोटो खींच लिए तो उनके मोबाइल से फोटो डिलीट भी कराए गए। ताजमहल में राजकुमारी करीब एक घंटे रहीं। इसके बाद साढ़े नौ बजे वो आगरा फोर्ट पहुंचीं। वहां भी कुछ देर के लिए टूरिस्टों को रोक दिया गया। थाईलैंड की राजकुमारी मंगलवार शाम को ही आगरा पहुंच चुकी थीं। उन्होंने होटल आईटीसी मुगल में नाइट स्टे किया और होटल

अमर विलास में डिनर किया था। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नावरी नरिरत्ना 5 दिवसीय भारत दौरे पर हैं। वे मंगलवार शाम लगभग 4 बजे जोधपुर से आगरा पूरे प्रोटोकॉल के साथ पहुंची। खेरिया हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उनका काफिला सीधे फतेहाबाद रोड स्थित आईटीसी मुगल होटल पहुंचा था। यहां उन्होंने नाइट स्टे किया। आगरा से पहले राजकुमारी शनिवार को जयपुर के विश्व प्रसिद्ध आमेर महल पहुंचीं। उन्होंने महल की भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को करीब से निहारा. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनका भ्रमण हुआ, जिसमें पर्यटकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। उन्होंने दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, शीश महल और मानसिंह महल को निहारा. अरावली पहाड़ियों की हरियाली, प्राकृतिक सौंदर्य तथा केसर क्यारी की बागवानी व्यवस्था की जमकर सराहना की. राजकुमारी काफी प्रभावित हुईं और महल की सुंदरता को अपने कैमरे में कैद किया। उन्होंने प्राचीन काल से चली आ रही जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की परंपराओं को बहुत उपयोगी बताया। राजकुमारी ने सोमवार को अपने प्रतिनिधि-मंडल के साथ मेहरानगढ़

थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नावरी नरिरत्ना।

किले और जसवंत थड़ा का भ्रमण किया। इस दौरान राजकुमारी किले की स्थापत्य कला और शौर्य देखकर अभिभूत हो गईं। शाम को उन्होंने सर्किट हाउस रोड स्थित एक शोरूम का दौरा किया, जहां स्वयं के लिए आभूषण खरीदे। सोमवार दोपहर उम्मेद भवन में लंच करने के बाद राजकुमारी जसवंत थड़ा पहुंचीं।

पृष्ठ 01 का शेष...

पहली बार सीएम ...

बीमा राशि का 50 फीसदी तक प्रीमियम सरकार देगी। CA आशीष पाठक का कहना है, 'सीएम योगी ने "सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान, हर हाथ को काम, तकनीकी निवेश से समृद्ध उत्तर प्रदेश" को बजट की थीम बताया है। इसीलिए बजट में सीधे तौर पर कोई चुनावी वादा नहीं किया गया। लेकिन सरकार ने शहरों से गांवों तक राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के लिए युवाओं, महिलाओं, किसानों और रोजगार के लिए बड़ी योजनाओं की बात की है। अब सरकार मानसून सत्र में अनुपूरक बजट के जरिए इन लोगों के लिए गेम चेंजिंग और लोकलुभावन घोषणाएं कर सकती है। यही वर्ग सरकार के चुनावी रथ को धक्का लगाएंगे।'

पेट्रोल बंगाल में ...

और बदनाम भी कर रहे हैं। आप अगर बंगाल में लोगों पर बोझ कम करना चाहते हैं तो वहां पेट्रोल के दाम दिल्ली से 10 रुपए ज्यादा है, उसे कम कर दीजिए। और भारत के फायदे के लिए उसमें कुछ नहीं थी। किसानों के हक से समझौता करने वाली कांग्रेस है। मोदी ने 2014 में WTO में जाकर इसे सुधारा। ये गरीबों को राशन दे नहीं पा रहे थे और ये मोदी जी पर आरोप लगा रहे हैं। इनको इसका कोई अधिकार नहीं है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप गलत। डेटा को लेकर उनको जानकारी नहीं है। इनको बजट सही से पढ़ के आना चाहिए। ये यहां आकर गलत डेटा देते हैं। महंगाई पूरी तरह कंट्रोल है। इनकी आदतें अबोध बालक जेसी हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा- बजट के ऊपर कम्यूनिस्ट लोगों ने बात की। उन्होंने कहा कि केरल में कुछ नहीं मिलता, हमें कुछ नहीं मिलता। जहां कम्यूनिस्ट सरकार वहां आर्थिक विकास सबसे नीचे है। ये लोग इंडस्ट्रीस को भगा देते हैं। कंपनियां चली जाती हैं, कैसे विकास होगा। SC ST पर सबसे ज्यादा क्राइम है तो वो केरल में है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- बंगाल स्टेट जीएसटी हटा सकता है पर वो ऐसा क्यों नहीं कर रहे। पैसा भी चाहते हैं और बदनाम भी कर रहे हैं। आप अगर बंगाल में लोगों पर बोझ कम करना चाहते हैं तो पेट्रोल के दाम बंगाल में दिल्ली से ज्यादा है तो उसे कम कर दीजिए। उन्होंने कहा कि बंगाल के नेताओं को दुकुनी और सूरत के फ्रेट कॉरिडोर पर दुख हुआ। ममता ने कहा कि हमने पहले किया था लेकिन इन्होंने दूसरे की घोषणा की थी। हर चीज में श्रेय ना लें। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम ने 2014 में कहा था रेलवे के अधूरे प्रोजेक्ट पहले पूरे करो, हमने 1997 से 28 अधूरे प्रोजेक्ट्स पूरे किए। लेकिन ये हर चीज में श्रेय ढूंढ रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट चर्चा पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आम बजट में हमने इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया है। हमरा फोकस था कि सामान को लाना ले जाना आसान बनाया जाए। वॉटरवेज और अन्य ट्रांस्पोर्टेशन को बढ़ावा दिया गया। सरकार MSME के साथ खड़ी हुई है। लोकसभा में AIMIM MP असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने 6 फरवरी को जो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है, उसमें सीधे सेक्शन 4 का जिक्र है, जिसमें कहा गया है कि अगर हम रूस से कुछ भी खरीदते हैं, तो 25 परसेंट टैरिफ लगाया जाएगा। वह 'गोरी चमड़ी वाला' कौन होता है जो हमें बताए कि हम किससे तेल खरीद सकते हैं? हमें आजादी इसलिए मिली ताकि हम खुद तय कर सकें कि किससे तेल खरीदना है। वे कौन होते हैं हमें बताने वाले? क्या वे हमारे माता-पिता हैं जो वे हम पर 25 परसेंट टैरिफ लगा सकते हैं? हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि आज, पार्लियामेंट सेशन के दौरान, मेरा नाम कहीं और हुए कुछ डेवलप-मेंट्स के बारे में लिया गया था— एपस्टीन फाइल्स। मैं बस कुछ जानकारी शेयर करना चाहता हूं। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि ये सभी फैक्ट्स पब्लिक हैं। तीन मिलियन ईमेल जारी किए गए हैं, जो मई 2009 से लेकर, जब मैं न्यूयॉर्क में UN में इंडिया का एम्बेसडर बना था, और 2017 में मिनिस्टर बनने तक के समय को कवर करते हैं। इस दौरान, सिर्फ तीन या चार मीटिंग्स का जिक्र है, और मेरी बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बजट में घोषणाएं की गई। इसमें आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं हैं। मेडिकल क्षेत्र को डेवलप करने के लिए इसको टूरिज्म हब बनाने पर जोर है। इससे मेडिकल एजुकेशन को भी बढ़ावा मिलेगा। निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट चर्चा पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आम बजट में हमने इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया है। हमरा फोकस था कि सामान को लाना ले जाना आसान बनाया जाए। वॉटरवेज और अन्य ट्रांस्पोर्टेशन को बढ़ावा दिया गया। सरकार MSME के साथ खड़ी हुई है। राहुल ने कहा- अगर अमेरिकी चाहते हैं कि उनके पास सुपरपावर रहे, अपने डॉलर की रक्षा करना चाहते हैं, तो इसके लिए भारतीय डेटा बहुत जरूरी है। हमारी आबादी एक ताकत है, लेकिन तभी जब आप यह समझें कि डेटा कितने जरूरी हैं। अगर इंडिया ब्लॉक राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बातचीत कर रहा होता, तो हम कहते कि इस डील में सबसे अहम भारतीय डेटा है नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हम युद्ध के दौर में जी रहे हैं। गाजा में युद्ध, रूस-यूक्रेन के बीच जंग चल रही है। चीन अमेरिका को चैलेंज कर जा रहा है।

100 फीट ऊंचे टावर से गिरकर युवक की मौत

कन्नौज में बोला- मेरी शादी करा दो, नहीं तो कूद जाऊंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज में 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर से नीचे गिरने से युवक की मौत हो गई। प्रेमिका से शादी कराने की जिद में वह टावर पर चढ़ा था। टावर पर चढ़ने के बाद प्रेमिका नाम लेकर चिल्लाने लगा कि मेरी शादी करा दो, नहीं तो कूद जाऊंगा और मर जाऊंगा। वह करीब 2 घंटे तक टावर पर बैठा रहा। वह खुद को संभाल नहीं पाया और नीचे जमीन पर आ गया। आनन फानन में लोग उसे अस्पताल लेकर भागे। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। बुधवार की यह घटना गुरसहाय-गंज थाना क्षेत्र के ग्राम पूराभोज गांव की है। ग्राम प्रधान कृष्ण कुमार राजपूत ने बताया कि युवक को सीएचसी लेकर हम लोग पहुंचे लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। युवक की पहचान सुमित राजपूत (18) के रूप

में हुई है। बताया जा रहा कि वह एक रिश्तेदार युवती से एकतरफा प्यार करता था। घरवाले शादी को राजी नहीं हो रहे थे। युवती की 3 दिन पहले ही शादी हुई थी। जिसके चलते युवक टावर पर चढ़ गया और गिरने से मौत हो गई। सुमित के पिता की 3 साल पहले मौत हो चुकी है। घर में मां, एक छोटा भाई रहते हैं। बहन की 5 साल पहले शादी हो चुकी है। छोटा भाई मानसिक रूप से कमजोर है। सुमति ही इकलौता घर में कमाने वाला था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676